

एम.एच.डी – 19

परास्नातक कार्यक्रम
(एम.एच.डी – 19)

पाठ्यक्रम – M.A
हिंदी दलित साहित्य का विकास

सत्रीय कार्य
(जुलाई-2026 एवं जनवरी-2027 सत्र के लिए)

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.डी. – 19



मानविकी विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली-110068

पाठ्यक्रम – एम.एच.डी. – 19
हिंदी दलित साहित्य का विकास

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.डी.-19 / 2026-2027

प्रिय छात्र/छात्राओं,

यह सत्रीय कार्य शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य (TMA) है । सत्रीय कार्य के लिए 100 अंक निर्धारित किए गए हैं । सत्रीय कार्य में पूरे पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जायेंगे ।

उद्देश्य : शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य सामग्री को कितना समझा है और आप उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं । यहाँ पाठ्य सामग्री की पुनर्प्रस्तुति से तात्पर्य नहीं है वरन् अध्ययन के दौरान जो कुछ सीखा और समझा है उसे आप आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें ।

निर्देश : सत्रीय कार्य आरम्भ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िये :

- 1.) अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के पहले पृष्ठ के दाएँ सिरे पर अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनांक लिखिए ।
- 2.) बाईं ओर पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या और अपने अध्ययन केन्द्र का उल्लेख करें जैसा आगे दिखाया गया है :

अनुक्रमांक :

नाम :

पता :

पाठ्यक्रम का नाम/कोड :

सत्रीय कार्य कोड :

अध्ययन केन्द्र का नाम/कोड :

दिनांक :

सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि :

जुलाई 2026 में प्रवेश लेने वाले छात्रों के लिए सत्रीय कार्य जमा करने की
अंतिम तिथि : 31 मार्च, 2027
जनवरी 2027 में प्रवेश लेने वाले छात्रों के लिए सत्रीय कार्य जमा करने की
अंतिम तिथि : 30 सितंबर, 2027

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

1. अध्ययन: सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए । फिर इससे संबंधित इकाईयों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए । अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ विशेष बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढंग से व्यवस्थित कीजिए ।
2. अभ्यास: उत्तर का प्रारूप तैयार करने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए । अनावश्यक बातों को हटा दीजिए और प्रत्येक बिन्दु पर विस्तार से विचार कीजिए । निबन्धात्मक या टिप्पणीपरक प्रश्नों में आरम्भ और उपसंहार पर विशेष ध्यान दीजिए । उत्तर के आरम्भिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए । मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्धता और तार्किक ढंग से प्रस्तुत करें । उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए ।

यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :

क) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो,

ख) उत्तर सही ढंग से लिखा गया हो तथा आपकी अभिव्यक्ति शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो,

ग) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियों न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें ।

3. प्रस्तुति: जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ, तो उसे साफ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप जोर देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित कर दीजिए ।

शुभकामनाओं के साथ ।

नोट : याद रखें कि विश्वविद्यालय के नए नियमानुसार परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

एम.एच.डी.-19
हिंदी दलित साहित्य का विकास
सत्रीय कार्य
(पूरे पाठ्यक्रम के सभी खंडों पर आधारित)

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.डी.-19/एम.ए.
पाठ्यक्रम शीर्षक : हिंदी दलित साहित्य का विकास
सत्रीय कार्य कोड : एम.एच.डी.-19/टी.एम.ए./2026-2027
कुल अंक : 100

1. निम्नलिखित काव्यांशों में सभी की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए :

10x3 = 30

- (क) यदि वेदों में लिखा होता
ब्रह्म के पैर से हुए हैं पैदा।
उन्हें उपनयन का अधिकार नहीं
तब, तुम्हारी निष्ठा क्या होती?
- (ख) बन्द किले से बाहर
झाँक कर तो देखो
बरफ पिघल रही है।
बछड़े मार रहे हैं फुरी
बैल धूप चबा रहे हैं
और एकलव्य पुराने जंग लगे तीरों को
आग में तपा रहा है।
- (ग) स्त्री माँग करती है कि—
मुझे अनन्त असीम दिगन्त चाहिए
छत का खुला आसमान नहीं
आसमान की खुली छत चाहिए
मुझे अनन्त आसमान चाहिए।

2. निम्नलिखित में सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

15x4 = 60

- (क) विद्रोहिणी कविता में कौन सा स्वर और संवेदना दिखाई देती है?
- (ख) पच्चीस चौका डेढ़ सौ कहानी की मूल संवेदना और कथा शिल्प पर टिप्पणी करें।
- (ग) आमने सामने कहानी में गाँवों की किस छवि पर लेखक ने पाठको का ध्यान खींचा है?
- (घ) अपने अपने पिंजरे आत्मकथा के मूल तत्वों पर प्रकाश डालें।

3. निम्नलिखित में सभी प्रश्नों के उत्तर लगभग 300 शब्दों में लिखिए :

05x2 = 10

- (क) दलित आत्मकथा की विशेषता
- (ख) आज का रैदास कविता में मूल संवेदना